सब्जी की खेती से सफल महिला किसान की कहानी

कृषक का नाम	: श्रीमति कमला महतो
पति का नाम	: शंकर महतो
ग्राम	: पुतडू
पंचायत	: उल्दा
प्रखण्ड	: घाटशिला
जिला	: पूर्वी सिंहभूम
मोबाइल नं0	: 9006744257

सब्जी की खेती से महिला किसान कमला महतो ने बनाई अलग पहचान, महिलाओं के लिए बनी प्रेरणास्रोत ।

कमला महतो अपने क्षेत्र में प्रगतिशील महिला के रूप में जानी–पहचानी जाती है। वो इसलिए क्योंकि कमला धान की खेती के अलावे सब्जी, दलहन, तेलहन की खेती करती है एवं पशुपालन कर आय के सलाना स्रोत को मजबूत की है। यह सब संभव हुआ है कृशि विज्ञान केन्द्र से उचित तकनीकी प्रशिक्षण एवं आत्मा–कृषि विभाग के सतत् मार्गदर्शन एवं लगातार सहयोग से ।

कमला महतो के पास 7 एकड़ जमीन है जिसमें 3 एकड़ सिंचित जमीन है और 4 एकड़ असिंचित है। 1 एकड़ जमीन में सिर्फ अमरूद का बगान की है जिसमें कमला अपने पति के साथ मिलकर 100 अमरूद का पौधा लगाई है। अमरूद के पौधा में कोई रासायनिक खाद का उपयोग नहीं की है सिर्फ गोबर खाद और नीम खल्ली, करंज खल्ली दिया जाता है यह पूरी तरह आर्गेनिक अमरूद का उत्पादन होता है। अमरूद का पेड़ में हर साल लगभग 35–36 क्वींटल अमरूद का फल आता है।

कृशि विज्ञान केन्द्र, जिला कृषि विभाग एवं आत्मा के सहायोग से कर रही है उन्नत तकनीक से सब्जियों की खेती

3 एकड़ जमीन में सब्जी का खेती कर रही है अभी विगत माह में लौकी, नेनुआ, काकड़ी, खीरा, भिंडी, टमाटर, फुलगोभी, बाँधागोभी, बीम, हरी साग और आलू की खेती की है। इसके अलावे मुंग एवं सरसों भी लगाई है।

सब्जी उत्पादन एवं समेकित कृषि प्रणाली को विस्तार से समझने के लिए कमला महतो ने कृषि विज्ञान केन्द्र दारीसाई से प्रशिक्षण प्राप्त की । आत्मा के द्वारा लगातार सहयोग एवं कृषि वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में कमला खेती–बाड़ी में परांगत हो गई है।

कमला के लिए पशुपालन आय का दूसरा नगद स्रोत

कमला धान एवं सब्जी की खेती के अलावे कुशलतापुर्वक पशुपालन कर अपने आय को मजबुत कर रही है। इनके पास 2 गाय, 30 मुर्गी, 10 बत्तख, 6 बकरी और 40 कबूतर है।

कमला खरीफ मौसम में 3 एकड़ जमीन पर हाइब्रीड धान के खेती श्री विधि के तहत लाईन सोईंग से की है । और बाकी जमीन में मक्का की खेती कर नगद लाभ अर्जित की है।

छोटी–छोटी पुंजी से लंबी अवधि की बड़ी आमदनी का स्रोत है समेकित कृषि प्रणाली

कमला महतो दीपशिखा सखी मंडल महिला समिति से जुड़ी हुई है। खेती–बाड़ी के लिए समूह मासिक बचत से छोटे–छोटे ऋण लेकर खेती कार्य में लगाती है। समय पर चुकता कर फिर से ऋण लेकर सिर्फ खेती कार्य में पुंजी लगा रही है। जिससे उनको लगातार पुंजी भी मिल रही है एवं लागत को छोड़कर शुद्ध आमदनी भी लगातार हो रही है जिससे इसका पारिवारिक स्थिति दिन पर दिन बेहतर हो रहा है।

इस तरह से देखा जाए तो कमला महिला समूह से जुड़कर, छोटे–छोटे बचत से ऋण लेकर, ससमय चुकता कर अपने खेती–बाड़ी कार्य को व्यवस्थित तरीके से करती है। इतनी निपुनता से कार्य करते हुए समेकित कृषि प्रणाली को अपना कर कमला महतो व्यवासयिक तौर पर खेती कर सलाना 02 लाख से अधिक का कमाई कर रही है जो किसी भी साधारण महिला के लिए गर्व और सम्मान की बात है।